Unit-1

भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना और विशेषताएं

1. एक विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और यह दुनिया में छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है। यह एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है, जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचना:

- प्राथमिक क्षेत्र: इसमें कृषि, वानिकी, मछली पालन और खनन शामिल हैं। यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और इसमें लगभग 40% लोग कार्यरत हैं।
- द्वितीयक क्षेत्र: इसमें विनिर्माण, निर्माण और बिजली उत्पादन शामिल हैं। यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसमें लगभग 25% लोग कार्यरत हैं।
- तृतीयक क्षेत्र: इसमें सेवाएं शामिल हैं, जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, और व्यापार। यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा हिस्सा है, और इसमें लगभग 35% लोग कार्यरत हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं:

- विकासशील अर्थव्यवस्था: भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है, जिसका अर्थ है कि यह अभी भी विकास के शुरुआती चरण में है।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था: भारत एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है, जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।
- विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था: भारत एक विविधतापूर्ण अर्थव्यवस्था है, जिसमें विभिन्न प्रकार के उद्योग और क्षेत्र शामिल हैं।
- बढ़ती जनसंख्या: भारत की जनसंख्या बहुत बड़ी है, और यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी जनसंख्या है।
- गरीबी: भारत में गरीबी एक बड़ी समस्या है, और लगभग 22% लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं।
- असमानता: भारत में आय और धन की असमानता एक बड़ी समस्या है।

एक विकासशील अर्थव्यवस्था के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था:

भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है, जिसका अर्थ है कि यह अभी भी विकास के शुरुआती चरण में है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की कुछ विशेषताएं हैं:

- कम आय: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में लोगों की आय विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम होती है।
- उच्च जन्म दर: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जन्म दर विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अधिक होती है।
- कम साक्षरता दर: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में साक्षरता दर विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम होती है।
- कम जीवन प्रत्याशा: विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में जीवन प्रत्याशा विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम होती है।

भारत इन सभी विशेषताओं को प्रदर्शित करता है। भारत में प्रति व्यक्ति आय विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कम है, जन्म दर उच्च है, साक्षरता दर कम है, और जीवन प्रत्याशा कम है।

हालांकि, भारत विकास के पथ पर है। भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ रही है, और गरीबी और असमानता में कमी आई है। भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्रगति हुई है।

2. भारत के राज्यों का तुलनात्मक विकास

भारत के विभिन्न राज्यों का विकास स्तर अलग-अलग है। कुछ राज्य, जैसे कि महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु, अधिक विकसित हैं, जबकि अन्य राज्य, जैसे कि बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़, कम विकसित हैं।

विकास के स्तर में भिन्नता के कुछ कारण:

- भौगोलिक स्थिति: कुछ राज्यों, जैसे कि महाराष्ट्र और गुजरात, समुद्र के किनारे स्थित हैं, जो व्यापार और वाणिज्य के लिए अनुकूल है।
- संसाधनों की उपलब्धता: कुछ राज्यों में, जैसे कि झारखंड और छत्तीसगढ़, खनिज संपदा का भंडार है, जो औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है।
- सरकारी नीतियां: कुछ राज्यों की सरकारें ने विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतियां बनाई हैं।
- साक्षरता दर: उच्च साक्षरता दर वाले राज्यों में विकास की दर अधिक होती है।
- ऐतिहासिक कारक: कुछ राज्यों में औद्योगिक विकास का इतिहास रहा है, जिससे उन्हें विकास में अग्रणी बनने में मदद मिली है।
- सामाजिक-आर्थिक कारक: जाति, धर्म, और लिंग जैसी सामाजिक-आर्थिक कारक भी विकास को प्रभावित करते हैं।

भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयास:

भारत सरकार सभी राज्यों के विकास को समान स्तर पर लाने के लिए प्रयास कर रही है। सरकार ने कई योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए हैं, जैसे कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) और मनरेगा, जो ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

यहां कुछ महत्वपूर्ण संकेतक दिए गए हैं जिनके आधार पर राज्यों का विकास स्तर निर्धारित किया जाता है:

- राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी): यह एक राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार है।
- प्रति व्यक्ति आय: यह एक राज्य में औसत व्यक्ति की आय है।
- गरीबी दर: यह एक राज्य में गरीब लोगों का प्रतिशत है।
- साक्षरता दर: यह एक राज्य में साक्षर लोगों का प्रतिशत है।
- शिशु मृत्यु दर: यह एक राज्य में प्रति 1,000 जन्मों पर मरने वाले शिशुओं की संख्या है।

यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं कि कैसे विभिन्न राज्यों ने विकास हासिल किया है:

- महाराष्ट्र: महाराष्ट्र भारत का सबसे विकसित राज्य है। इसकी अर्थव्यवस्था मजबूत है, और इसमें उच्च प्रति व्यक्ति आय और कम गरीबी दर है।
- गुजरात: गुजरात भारत का दूसरा सबसे विकसित राज्य है। यह अपनी औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है।
- तमिलनाडु: तमिलनाडु भारत का तीसरा सबसे विकसित राज्य है। यह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करता है।

निष्कर्ष:

भारत के विभिन्न राज्यों का विकास स्तर अलग-अलग है, लेकिन भारत सरकार सभी राज्यों के विकास को समान स्तर पर लाने के लिए प्रयास कर रही है।